Dr.Raman Kumar Thakur
Assistant professor (Guest)
Department of Economics,
D. B. College, Jaynagar, Madhubani.
L.N.M.U.DARBHANGA.

Class:- B.A.Part-1(Hons)
Date:-13- 07-2020

Topic:- **अर्थव्यवस्था की संरचना क्या है**
(**What is Structure of Economy**)

→ अर्थव्यवस्था की संरचना से हमारा आशय अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादन क्षेत्रों में वितरण से है, क्योंकि अर्थव्यवस्था में विभिन्न प्रकार की आर्थिक क्रियाओं ,गतिविधियों को संपादित की जाती है.जैसे- कृषि उद्योग, व्यापार, बैंकिंग ,बीमा, परिवहन, संचार, बिजली आदि।
अध्ययन की दृष्टिकोण से भारतीय अर्थव्यवस्था को तीन भागों में बाँटा जाता है:-

1). प्राथमिक क्षेत्र(primary sector):-, इसके अंतर्गत कृषि ,पशु पालन, मछली पालन, वन आदि आते हैं।

2). दृतीय क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र कहा जाता है। इसके अंतर्गत, खनिज, व्यवसाय निर्माण कार्य, जनोपयोगी सेवाएं जैसे- गैस, बिजली, आदि के उत्पादन आते हैं ।

3). तृतीयक क्षेत्र(Tertiary sector):- तृतीयक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत, बैंक एवं बीमा, परिवहन, संचार, एवं व्यापार आदि क्रियाएं सम्मिलित होती है।

अर्द्ध विकसित राष्ट्र के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित है, जिसे इस प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है:-

1). कृषि की प्रधानता(Dominance of Agriculture):- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान सर्वोपरि है भारत की लगभग 58.4% जनसंख्या, कृषि से ही रोजगार प्राप्त करती है .रोजगार की दृष्टि से भारत में कृषि का स्थान सबसे अधिक महत्वपूर्ण है .कुल राष्ट्रीय आय का अधिकांश भाग कृषि से ही प्राप्त होता है। प्रथम महायुद्ध तक राष्ट्रीय आय में कृषि का भाग 65% था किंतु बाद में वर्ष- प्रतिवर्ष इसमें कमी होती आई है।

2). पूंजी निर्माण(capital formation) :- भारत में बचत व पूंजी निर्माण की दर में निरंतर वृद्धि होने के बावजूद भी
अन्य राज्यों की तुलना में कम है वर्ष 2006-07 में भारत में सकल घरेलू पूंजी निर्माण दर, सकल घरेलू उत्पाद का 35.9% थी .भारत में पूंजी निर्माण की दर कम होने के कारण प्रति श्रमिक पूंजी की प्राप्ति कम होती है पूंजी की प्रति श्रमिक कम दर के कारण श्रम प्रधान तकनीकों को अपनाना पड़ता है. इसके फलस्वरूप आर्थिक क्रियाओं के प्रत्येक क्षेत्र में उत्पादकता के स्तर की दर कम की जाती है।

3).अपर्याप्त आधारिक संरचना(Inaddequate Infrastructure) :- आधारिक संरचना से अभिप्राय बिजली ,चालक शक्ति, यातायात के साधन, प्रशिक्षण की सुविधाएं ,बैंकिंग व्यवस्था आदि आते हैं .भारत के आर्थिक विकास की एक मुख्य बाधा आधारिक संरचना का अपर्याप्त होना है।